वर्षः 10 - अंक : 276, मुंबई, गुरुवार, 14 जनवरी, 2021, मूल्य : 1 रु. ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®

अब हर सच होगा उजागर

मकर संक्रांति

की हार्दिक शुभकामनाएं

सुप्रीम कोर्ट का फैसला

बिल्डर ने एग्रीमेंट के मुताबिक फ्लैट नहीं दिया तो ब्याज समेत लौटाने पड़ेंगे पैसे

देश की सबसे बड़ी अदालत ने अपने फैसले में दो-टूक कह दिया है कि अगर समय पर घर खरीदार को करार की शर्तों के मुताबिक आशियाना नहीं मिला तो बिल्डर को पूरी जमा रकम 9 फीसदी ब्याज की रकम समेत वापस करनी होगी. बिल्डरों की मनमानी को पीठ ने अनफेयर ट्रेड प्रैक्टिस कहा है.

संवाददाता

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले ने बिल्डरों की मनमानी पर और सख्त नकेल कस दी है। जस्टिस उदय उमेश ललित और जस्टिस इंदु मलहोत्रा की पीठ ने अपने फैसले में साफ कहा कि बिल्डर का एकतरफा करार और मनमानी अब नहीं चलेगी क्योंकि जब घर खरीदार किस्तें या बकाया रकम देने में मजबूर होता है तो बिल्डर उस पर जुर्माना लगाता है और भुगतान करने को बाध्य करता है, लेकिन बिल्डर समय पर घर का पजेशन यानी कब्जा ना दे तो उस पर जुर्माना क्यों नहीं?

(शेष पृष्ठ 3 पर)

महाराष्ट्र में 18 साल से कम उम्र के लोगों, गर्भवती महिलाओं और एलर्जी वाले लोगों को नहीं दी जाएगी कोरोना की वैक्सीन

(समाचार पृष्ठ 3 पर)

बॉलीवुड ड्रग्स केस में पॉलिटिकल एंगल

महाराष्ट्र के मंत्री नवाब मालिक के दामाद को एनसीबी ने किया

गिरफ्तार

संवाददाता

मुंबई। सुशांत सिंह की मौत के बाद नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो इस मामले में ड्रग एंगल से जांच कर रही है। जांच का दायरा फिल्मी हस्तियों से होते हुए राजनेताओं के करीबियों तक पहुंच गया है। एनसीबी ने इस मामले में बुधवार को महाराष्ट्र सरकार में अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री नवाब मालिक के दामाद समीर खान को अरेस्ट किया है।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

समीर खान के बयान रेकॉर्डः सूत्रों ने बताया कि समीर खान एनसीबी के समक्ष बुधवार को पेश हुए और उनके बयान को रेकॉर्ड किया गया। एनसीबी का मानना है कि पैडलर को ड्रग्स के लिए भुगतान किया गया था। इसलिए उसे किए गए भुगतान को सत्यापित करने के लिए बुलाया गया था। मामला मुंबई में बीते सप्ताह 200 किलोग्राम ड्रग्स को जब्त करने से जुड़ा हुआ है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

हल की तलाश में

अगले आदेश तक तीनों कृषि कानूनों के क्रियान्वयन पर रोक लगाने और इनसे जुड़ी आपत्तियों पर चर्चा के लिए चार सदस्यीय समिति के गठन का सुप्रीम कोर्ट का फैसला सराहनीय है और इसका स्वागत किया जाना चाहिए। हालांकि, आंदोलित किसानों के संगठनों ने इस समिति में शामिल सदस्यों के नाम पर आपत्ति जताई है। उन्होंने इसके आगे उपस्थित न होने और आंदोलन जारी रखने का भी एलान किया है। बहरहाल, शीर्ष अदालत के पूर्व के संकेतों और सोमवार की टिप्पणियों से उसके रुख का साफ पता चल गया था, पर सरकार अपनी भूमिका से पीछे हटने को तैयार नहीं हुई। वह चाहती, तो इस पूरे प्रकरण को एक लोकतांत्रिक मोड़ देते हुए अपने लिए उदार सरकार का श्रेय अर्जित कर सकती थी, मगर आंदोलन की शुरूआत में ही दोनों पक्षों ने ऐसा रुख अपना लिया कि बातचीत एक औपचारिकता भर रह गई। नौवें दौर में इस बातचीत का पहुंचना ही यह बता देता है कि वार्ता में लचीलापन किसी पक्ष ने नहीं दिखाया। निस्संदेह, ऐसी किसी भी स्थिति में सरकार की भूमिका बड़ी होती है, और उसी के कंधे पर अपेक्षाओं का भार भी सर्वाधिक होता है। इसमें कोई दोराय नहीं कि सरकारें अपने इकबाल से चला करती हैं और शायद यही वजह है कि केंद्र सरकार के लिए अब अपने कदम को पीछे खींचना मुश्किल है। कृषि क्षेत्र में सुधारों से संबंधित इन कानूनों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता वह बढ़-चढ़कर जताती रही है। लेकिन यह दायित्व भी उसी का है कि इन कानूनों के फायदों को लेकर वह किसानों को आश्वस्त करे और इनमें उनका भरोसा बहाल करे। कोर्ट ने इसी अपेक्षा से सरकार को इतना वक्त भी दिया था। शीर्ष अदालत ने इन कानूनों को कुछ समय के लिए स्थगित करके दोनों पक्षों को यह मौका दिया है कि वे इस दौरान संवेदनशील नजरिया रखते हुए कोई सर्वमान्य हल तलाश सकें। किसी भी लोकतांत्रिक देश में नागरिकों को अपनी असहमति जताने और शांतिपूर्ण आंदोलन करने का हक हासिल होता है। पिछले करीब पचास दिनों से दिल्ली की सीमाओं पर आंदोलनरत किसानों ने धैर्य के साथ अब तक अपने नागरिक धर्म का निर्वाह किया है और कहीं कोई उपद्रव नहीं होने दिया। इस कंपकंपाती सर्दी में बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों को सड़कों पर रात बिताते देखकर देश का हरेक संवेदनशील नागरिक दुखी है और यही दुख सरकार व प्रधान न्यायाधीश की अपील में भी ध्वनित हुआ कि उन्हें फौरन घर भेजा जाए। हरेक आंदोलन की एक मीयाद होती है। किसानों को अब अदालत की कोशिश पर भरोसा करना चाहिए और उन्हें लौट जाना चाहिए। आखिरकार अदालत ने उनकी चिंताओं को समझने के लिए ही इस समिति का गठन किया है। उन्हें यह भी समझने की जरूरत है कि शीर्ष अदालत इस समिति की रिपोर्ट के आधार पर अपने अंतिम निर्णय पर पहुंचेगी। ऐसे में, उनके पास एक बेहतर मौका है कि वे अपनी पुरानी जिद छोड़कर इस समिति के सामने अपनी आपत्तियों को मजबूती से रखें, ताकि न्यायालय एक मुनासिब फैसले तक पहुंचे। किसानों को यह भी नहीं भूलना चाहिए कि उनका कोई भी अराजक प्रदर्शन न सिर्फ न्यायिक प्रक्रिया में उनके पक्ष को कमजोर करेगा, बल्कि आम लोगों में उनके प्रति अब तक जो सहानुभूति है, उसे भी चोट पहुंचाएगा।

वैक्सीन के लिए आधार क्यों अनिवार्य?

कोविड-19 को रोकने के लिए वैक्सीनेशन अभियान शुरू होने की तारीख जैसे जैसे नजदीक आ रही है यह साफ होता जा रहा है कि वैक्सीन लगवाने के लिए आधार अनिवार्य होगा और उसका मोबाइल नंबर के साथ लिंक होना भी जरूरी होगा। पहले कहा जा रहा था किसी एक पहचान पत्र की अनिवार्यता नहीं होगी और जिस तरह से वोटिंग के समय मतदाता चुनाव आयोग की ओर से निर्धारित एक दर्जन से ज्यादा पहचान पत्रों में से किसी एक के जरिए वोटिंग कर सकता है वैसे ही वैक्सीनेशन में भी होगा। हालांकि तब भी परोक्ष रूप से आधार की अनिवार्यता बना दी गई थी। वैक्सीनेशन के बाद हर व्यक्ति को एक डिजिटल सर्टिफिकेट दिया जाना है, जिसे डिजीलॉकर में रखना है और डिजीलॉकर का इस्तेमाल करने के लिए आधार की जरूरत है, जो मोबाइल फोन से लिंक हो। यानी वैक्सीनेशन किसी भी पहचान पत्र से हो आधार अनिवार्य है। इतना ही नहीं वैक्सीन लगवाने के लिए कुछ लोगों को अलग से भी कोई दस्तावेज दिखाना पड़ सकता है। जैसे 50 साल के कम उम्र के ऐसे लोग, जिनको कोई बीमारी है उन्हें प्राथमिकता से वैक्सीन लगवाने के लिए मेडिकल सर्टिफिकेट भी देना होगा। स्वास्थकर्मियों और फ्रंटलाइन वर्कर्स की भी पहचान डाटाबेस में उनके रिकार्ड से मिला कर की जाएगी। यानी करोड़ों लोगों को वैक्सीन लेने के लिए तीन दस्तावेज दिखाने होंगे।

अब ऐसा लग रहा है कि वैक्सीन लगवाने के लिए मोबाइल लिंक्ड आधार अनिवार्य होगा या कम से कम इस पर जोर दिया जाएगा। वैक्सीनेशन से लेकर डिजिटल सर्टिफिकेट दिए जाने तक की परियोजना से जुड़े भारत सरकार के एक बड़े अधिकारी ने इसका संकेत दिया है। कोविड-19 से मुकाबले के लिए बने एम्पावर्ड ग्रुप ऑन टेक्नोलॉजी एंड डाटा मैनेजमेंट के चेयरमैन और नेशनल एक्सपर्ट ग्रुप ऑन वैक्सीन एडमिनिस्ट्रेशन के सदस्य रामसेवक शर्मा ने कहा है कि आधार के जरिए सत्यापन में किसी तरह की प्रॉक्सी होने की संभावना नहीं है। यानी ऐसा दोहराव या ऐसी धोखाधड़ी नहीं होगी कि किसी के बदले किसी को

टीका लग जाए। उन्होंने कहा है कि यह बहुत जरूरी है कि जिसे टीका लगे उसकी स्पष्ट पहचान हो और इस बात का डिजिटल रिकार्ड रखा जाए किसे वैक्सीन लगी, किसने वैक्सीन लगाई और कौन सी वैक्सीन लगाई गई। इसी आधार पर केंद्र सरकार की ओर से राज्यों को सलाह दी गई है कि वे वैक्सीन लगवाने वाले हर व्यक्ति का मोबाइल नंबर और आधार जरूर लें और यह सुनिश्चित करें कि कोई गड़बड़ी न हो क्योंकि हर व्यक्ति की यूनिक पहचान जरूरी है। राज्यों को भेजी गई एडवाइजरी में 'यूनिक पहचान' पर खास तौर से जोर दिया गया है। कहने की जरूरत नहीं है कि भारत में ह्यूनिक पहचानह्न सुनिश्चित करने वाला एक ही पहचान पत्र है और वह है आधार। सो, वैक्सीनेशन के लिए किसी न किसी तरह से आधार अनिवार्य किया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ वर्चुअल मीटिंग में डिजिटल सर्टिफिकेट की बात कही। उन्होंने हालांकि आधार का जिक्र नहीं किया पर मोबाइल नंबर का जिक्र जरूर किया ताकि लोगों को वैक्सीनेशन के बारे में हर तरह की जानकारी मैसेज के जरिए दी जा सके। उन्होंने आगे कहा कि दोनों डोज लगने के बाद हर व्यक्ति को एक डिजिटल सर्टिफिकेट दिया जाएगा। इसके आगे की प्रक्रिया यह है कि उस डिजिटल सर्टिफिकेट को डिजीलॉकर में रखा जाएगा। अब सवाल है कि आधार की अनिवार्यता क्यों होनी चाहिए और डिजिटल सर्टिफिकेट की क्या जरूरत है? क्या यह वैक्सीन किसी व्यक्ति को जीवन भर के लिए कोरोना वायरस के संक्रमण से सुरक्षा दे रही है? वैक्सीन का परीक्षण छह महीने पहले ही शुरू हुआ है और इसलिए कोई कंपनी यह दावा नहीं कर सकती है कि उसकी वैक्सीन छह महीने से ज्यादा सुरक्षा देगी। जैसे जैसे समय बीतेगा वैसे वैसे यह पता लगेगा कि एक बार वैक्सीन लगवाने पर कितने दिन सुरक्षा मिलती है। इसके बावजूद डिजिटल सर्टिफिकेट इस तरह से बांटा जाना है, जैसे यह जीवन भर की उपलब्धि हो और जीवन भर साथ रहने वाली चीज हो! हकीकत यह है कि वैक्सीन की पहली डोज लगवाने के डेढ़ महीने बाद सुरक्षा हासिल होनी है, उस बीच 28 दिन के बाद दूसरी डोज लगवानी है। उस डेढ़ महीने के पहले और बाद में भी किसी को कोरोना का संक्रमण हो सकता है। भारत में ऑक्सफोर्ड की जिस वैक्सीन की सबसे ज्यादा चर्चा है वह सिर्फ 70 फीसदी प्रभावी है। इसका मतलब है कि वैक्सीन की फुल डोज लगवाने वाले सौ में से 30 लोगों को किसी तरह की सुरक्षा हासिल नहीं हो रही है। ऊपर से बिल गेट्स पहले ही कह चुके हैं कि दूसरी पीढ़ी की वैक्सीन आए बगैर सुरक्षा हासिल नहीं होगी। और अगर वायरस के जो नए-नए स्ट्रेन दुनिया में फैल रहे हैं उनका संक्रमण शुरू हो गया तो वैक्सीनेशन की पूरी प्रक्रिया बेकार हो जाएगी। जहां तक आधार की अनिवार्यता का सवाल है तो वह भी समझ में नहीं आने वाली बात है। सरकार पता नहीं क्यों यह सुनिश्चित करने पर इतना जोर दे रही है कि कहीं प्रॉक्सी न हो जाए यानी किसी की वैक्सीन किसी और को न लग जाए। कोरोना की वैक्सीन कोई पांच किलो अनाज की पोटली नहीं है कि एक का अनाज दूसरा लेकर चला जाएगा या कोई दो बार अनाज की पोटली ले जाएगा। यह कोई नौकरी भी नहीं है, जो इस बात की चिंता की जाए कि एक की नौकरी दूसरा न ले जाए। यह कोई वोट भी नहीं है जो कोई व्यक्ति दो बार देने का प्रयास करेगा। यह वैक्सीन है, दवा है, जिसे पहली बार लगवाने में ही लोग हिचक रहे हैं तो दूसरी बार कौन लगवा लेगा! इसलिए कायदे से हर तरह के पहचान पत्र के जरिए वैक्सीनेशन की अनुमति देनी चाहिए और जिस तरह से मतदान के बाद उंगलियों पर निशान लगाया जाता है वैसे ही कोई पहचान लगा देना चाहिए या वैक्सीनेशन के बाद उसी जगह पर कोई पर्ची दे देनी चाहिए, जो टीकाकरण का सबूत हो। इसके लिए इतने ताम-झाम की जरूरत नहीं है। हां, अगर वैक्सीन के सर्टिफिकेट को इम्यूनिटी पासपोर्ट के तौर पर इस्तेमाल करना है तो अलग बात है!

क्या हम नहीं बदलेंगे

जब फ्रांसीसी जनरल 'गोरो' ने शाम (सीरिया) मे कदम रखा, तो सलाउद्दीन अय्यूबी की कब्र पर गया और कब्र को लात मारकर कहा.... उठो ऐ सलाउद्दीन ....हम फिर आ गये। जब फ्रांसीसी जनरल 'ल्यूती' ने मराकिश मे कदम रखा तो यूसुफ बिन ताशफीन की कब्र के पास गया और कब्र को लात मारकर कहा.....ऐ ताशफीन के बेटे उठो....हम तुम्हारे सिरहाने पहोंच गये हैं। जब सलीबियों ने दोबारा उंदलुस पर कब्जा किया तो 'अलफोंसो' ने हाजिब मंसूर की कब्र पर सोने की चारपाई बिछाई और बीवी को लेकर शराब पीकर लेट गया, और कहा..... ऐ मंसूर देखो....मैंने मुसलमानों की सलतनत पर कब्जा कर लिया है।

जब यूनानी फौज तुर्की मे दाखिल हुई, तो यूनानी फौज के सरबराह 'सोफोक्लस वेंजिलोस' ने खिलाफते उस्मानिया के बानी, जनाब उस्मान बिन अर्तुग्रल गाजी की कब्र के पास गया और कहा....उठो ऐ बड़ी पगड़ी वाले उठो....ऐ अजीम उस्मान उठो और देखो अपने पोतों की हालत, देखो हमने उस अजीम सलतनत का खात्मा किया जिसकी तुमने बुनियाद रखी थी... हम तुमसे लड़ने आये हैं। ये उसी यूनानी बदबख्त जनरल की तस्वीर है जो 1920 ई० मे जनाब उस्मान गाजी की कब्रे अनवर के पास खड़ा है। अब सुल्तान सलाउद्दीन अय्यूबी युसुफ बिन ताशफीन हाजिब मंसूर और उस्मान गाजी के रुह को कितनी तकलीफ होती होगी कि आलमे इस्लाम के नौजवान उनके कारनामों को भूल गई उसे फरामोश कर दिया और टिकटॉक या और कितने नये

तरीकों से अपने आपको दुनियां के सामने तमाशा बना रहे हैं... और अगर उनसे बात करो तो वो कहते हैं, ये तो टैलेंट है। क्या टैलेंट सिर्फ फुहाशी (बेहयाई) और उरयानी (नंगापन) को उरूज देने, अपने आपको दुनियां के सामने रुस्वा करने का नाम है? टैलेंट के नामपर अपने आपको तमाशा बनाने वाले ऐ नौजवानाने उम्मत....क्या तुम उन मुजाहिदीने इस्लाम के जोशे ईमानी, जजबये फरोगे दीने मुहम्मद और बुलंदिऐ परचमे इस्लाम की खातिर अपनी जवानी को हक की राह मे वक्फ करने वाले शहीदों और गाजियों के उन अजीमुश्शान टैलेंट को भूल जाओगे? क्या उम्मते मुस्लिमा के पास अपने अस्लाफ के कारनामों को जिंदा करने, या उसे आगे बढ़ाने के लिये वख्त नहीं है? खुदारा होश मे आओ मुसलमानो, आँखें खोलो और देखो.....ये सलीबियों के बिछाऐ हुवे वो खूबसूरत जाल हैं जिसमे हम खुशी खुशी फंसकर अपने अस्लाफ को भूलते जा रहे हैं दुनियां की मोहब्बत मे चूर , दीन की मोहब्बत से दूर खौफे खुदा को भूलकर हम मौत से डरने वाले बुजदिल और कायर बनते जा रहे हैं....। लिल्लाह फिरकावारियत छोड़ो अपनी सफों में इंतेशार को मिटाकर इत्तेहाद पैदा करो शहीदों, गाजियों के टैलेंट को अपनाओ हक के परचम को बुलंद करने के लिऐ बाजुओं मे कुव्वते मौला अली पैदा करो, और जुल्मों जब्र के खिलाफ मुत्तहिद हो जाओ। याद रखो हजरते अली का वो फरमान कि जुल्म के खिलाफ जितनी देर से उठोगे कुर्बानियां उतनी ही ज्यादा देनी पड़ेंगी।

याद रखो !!!

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

महाराष्ट्र में 18 साल से कम उम्र के लोगों, गर्भवती महिलाओं और एलर्जी वाले लोगों को नहीं दी जाएगी कोरोना की वैक्सीन

सीरम से मिली 9 लाख 63 हजार डोज

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र के स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे ने बुधवार को कहा कि कोरोना की वैक्सीन सरकार के प्रोटोकॉल के मुताबिक 18 वर्ष से कम उम्र के लोगों, गर्भवती औरतों एवं एलर्जी वाले लोगों को नहीं दी जाएगी। टोपे ने कहा, 'हमने चयनित व्यक्तियों को पूर्ण दो-खुराक देने का फैसला किया है, पहली खुराक अब और दूसरी 4-6 सप्ताह के बाद दी जाएगी। हालांकि, 18 साल से कम उम्र की गर्भवती महिलाओं या एलर्जी वाले लोगों को टीका नहीं दिया जाएगा।' उन्होंने बोला कि अब तक महाराष्ट्र को 17,50,000 की अनुमानित खुराक में से निमार्ता सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया, पुणे से 963,000 खुराक मिली है, जोकि राज्य सरकार के कोटा का करीबन 55 फीसदी है। बीते मंगलवार रात से ये वैक्सीन खुराक पूरे राज्य में भेजे जा रही हैं, जिसमें मुंबई, ठाणे, पुणे, कोल्हापुर, नासिक, अकोला, नागपुर एवं दूसरी जगहों पर मुख्य डिपो सम्मिलित हैं, जहां 511 नामित टीकाकरण केंद्रों को आगे वितरण हेतु रखा गया है।

कड़ी सुरक्षा के बीच मुंबई में कोरोना वैक्सीन की पहुंची पहली खेप ।

मुंबई में 72 केन्द्रों पर होगा टीकाकरण

कोरोना से भारत में अब तक की सर्वाधिक 11,200 मौतें मुंबई में हुई है। जहां पर कोरोना टीकाकरण के 72 केंद्र तैयार किए गए हैं। बृहन्मुंबई नगर निगम आयुक्त आई.एस. चहल ने कहा, 'कोविड-19 के लिए पहला 'कोविशिल्ड' वैक्सीन बुधवार सुबह मुंबई पहुंची।' चहल ने बताया, यह वैक्सीन पुणे से मुंबई में बीएमसी के एक विशेष वाहन द्वारा स्वास्थ्य अधिकारियों और पुलिस सुरक्षा के साथ लाई गई थी। स्टॉक पहले ही परेल स्थित बीएमसी एफ/साउथ डिवीजनल ऑफिस पहुंच चुका है। चहल ने कहा, 16 जनवरी को मुंबई में टीकाकरण अभियान शुरू करना हमारे लिए संभव होगा। अभी की योजनाओं की माने तो, मुंबई में करीबन 100 व्यक्तियों को रोजाना एवं लगभग 7,200 लोगों वैक्सीन का टीका लगाया जाएगा।

मुंबई में ताली, माला और पूजन से हुआ वैक्सीन का स्वागत

इससे पूर्व बुधवार को, बीएमसी एफ/साउथ डिवीजन कार्यालय में नागरिक कर्मचारियों ने जयकारों, ताली, माला और 'पूजा' संग जीवन रक्षक टीके का स्वागत किया। फिर इसे केंद्र तथा राज्य सरकार के प्रोटोकॉल के अनुसार, भूतल पर तापमान नियंत्रित वैक्सीन स्ट्रांग रूम में भंडारण हेतु लिया गया।

टनल का काम शुरू, 100 लोग दिन-रात काम करेंगे

मुंबई। मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने टीबीएम मशीन को लॉन्च कर कोस्टल रोड के काम को गति दी है। इसके साथ ही कोस्टल रोड की टनल बनाने का शुरू हो गया। इसके लिए 100 कर्मचारी दिन-रात काम करेंगे। इस दौरान उद्धव ठाकरे ने कहा कि मुंबई के विकास की लड़ाई जारी है, हम हर हाल में यह जीतेंगे, ऐसा विश्वास है। कोस्टल रोड उद्धव ठाकरे व बीएमसी का ड्रीम प्रॉजेक्ट है। यह दक्षिण मुंबई और पश्चिम उपनगर को जोड़ने वाला प्रॉजेक्ट है। इसके लिए दक्षिण मुंबई में दो पैरलर टनल बनेंगी, जिसमें से सोमवार को प्रिंसेस स्ट्रीट फ्लाईओवर से प्रियदर्शिनी पार्क तक टनल का काम शुरू हो गया। एक टनल बनने

में 9 महीने का समय लगेगा, जबकि दोनों टनल 20 महीने में बनकर तैयार हो जाएंगी। चार सौ मीटर लंबी यह टनल समुद्र के नीचे बनेगी। यह टनल बनाने के लिए लॉकडाउन के दौरान चीन से टीबीएम मशीन मंगाई गई थी। टनल खोदने के लिए देश में आई यह सबसे बड़ी टीबीएम मशीन है। कोस्टल रोड के चीफ इंजीनियर विजय निगोट ने बताया कि टनल बनाने का काम चौबीस घंटे चलेगा। इसके लिए 100 कर्मचारी दिन-रात काम करेंगे। इंजीनियर व अन्य अधिकारी इसमें शामिल नहीं हैं। उन्होंने बताया कि पहली टनल का काम 9 महीने में पूरा हो जाएगा। उसके बाद टीबीएम मशीन को वापस प्रियदर्शिनी पार्क तक लाया जाएगा, जिसमें दो महीने से ज्यादा का समय लग सकता है। इस तरह देखा जाए तो दोनों टनल बनाने में करीब 20 महीने का समय लगेगा।

2012 में हुई थी प्रॉजेक्ट की परिकल्पना

कोस्टल रोड के काम की प्रगति पर मुख्यमंत्री ठाकरे ने संतुष्टि जताई। उन्होंने कहा कि कोरोना संकट के साथ विकास का काम कैसे किया जा सकता है, यह बीएमसी ने करके दिखाया है।

राज्य निर्वाचन आयोग ने महाराष्ट्र के दो गांवों में पंचायत चुनाव रद्द किया

संवाददाता

मुंबई। राज्य निर्वाचन आयोग ने महाराष्ट्र के नासिक और नंदूरबार जिलों के दो गांवों में पंचायत चुनाव रद्द कर दिया है। आयोग ने यह कदम सरपंच और सदस्य के पदों के लिए सार्वजनिक रूप से बोली लगने के साक्ष्य सामने आने के बाद उठाया है। राज्य निर्वाचन आयुक्त यूपीएस मदान ने 15 जनवरी को होने वाले ग्राम पंचायत चुनाव से दो दिन पहले यह घोषणा की है। आधिकारिक बयान के अनुसार नासिक और नंदूरबार जिलों की क्रमशः उमराने तथा खोंडामली की ग्राम पंचायतों के सरपंच और सदस्य पदों के लिए सार्वजनिक रूप से बोली लगने की खबरें थीं। बयान में कहा गया, आयोग ने जिलाधिकारियों, चुनाव पर्यवेक्षकों, उपमंडल अधिकारियों और तहसीलदारों से मिली रिपोर्ट का अध्ययन करने तथा दस्तावेजों और वीडियो टेप देखने के बाद वहां समूची चुनाव प्रक्रिया को रद्द करने का निर्णय किया है।

(पृष्ठ 1 का शेष)

सुप्रीम कोर्ट का फैसला

देश की सबसे बड़ी अदालत ने अपने फैसले में दो-टूक कह दिया है कि अगर समय पर घर खरीदार को करार की शर्तों के मुताबिक आशियाना नहीं मिला तो बिल्डर को पूरी जमा रकम 9 फीसदी ब्याज की रकम समेत वापस करनी होगी। बिल्डरों की मनमानी को पीठ ने अनफेयर ट्रेड प्रैक्टिस कहा है। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुग्राम में अधूरे पड़े प्रोजेक्ट के घर खरीदारों की याचिका पर दिए अपने फैसले में ये भी साफ कर दिया है कि अगर बिल्डर ने प्रोजेक्ट को समय से पूरा कर के डिलीवरी नहीं कर पाए तो बिना किसी बहस या किन्तु-परंतु किए उसे घर खरीदार को पूरे पैसे वापस देने होंगे वो भी ब्याज के साथ। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में बिल्डर के खिलाफ सख्त रुख दिखाते हुए कहा कि कोर्ट के आदेश का पालन नहीं करने की सूरत में घर खरीदार याचिकाकर्ता को पूरी राशि यानी 1 करोड़ 60 लाख रुपये 12 फीसदी ब्याज के साथ चुकाने होंगे। दिलचस्प बात ये है कि कोर्ट का ये फैसला डेवलपर की याचिका पर आया है जिसमें उसने राष्ट्रीय उपभोक्ता आयोग के आदेश को चुनौती दी थी। सुनवाई के दौरान बिल्डर ने घर खरीदार को ऑफर दिया था कि वह दूसरे प्रोजेक्ट में घर ले ले। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ये घर खरीदार की मर्जी पर निर्भर करता है। वह बिल्डर की बात मानने को मजबूर नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने इसे उपभोक्ता कानून 1986 के तहत गलत बताया गया और इस तरह की शर्त को एग्रीमेंट में डालने को धारा 2(1) (आर) के खिलाफ बताया। साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने ये कहा कि घर खरीदार रेरा के साथ-साथ उपभोक्ता अदालत का दरवाजा भी खटखटा सकता है।

महाराष्ट्र के मंत्री नवाब मालिक के दामाद को एनसीबी ने किया गिरफ्तार

8 घंटे पूछताछ के दौरान एनसीबी को समीर खान और ब्रिटिश ड्रग पैडलर करण सजनानी के बीच लेन-देन का पता चला। सूत्रों के मुताबिक, पिछले दिनों हुई 200 किलो ड्रग्स बरामदगी के बाद जब एनसीबी ने करण सजनानी से पूछताछ की तो समीर खान का नाम सामने आया। इसके बाद उन्हें समन जारी किया गया। समीर खान ने डिजिटल ट्रांजैक्शन के जरिए करण सजनानी को 20 हजार रुपए ट्रांसफर किए थे। एनसीबी को इस बात के सबूत मिले हैं कि यह पैसे ड्रग्स खरीदने के लिए दिए गए थे। जिसके बाद समीर खान को अरेस्ट किया गया है। समीर खान की शादी नवाब मलिक की बेटी नीलोफर के साथ हुई है। एनसीबी ने शनिवार को सजनानी को मुंबई में इम्पोर्टेड गांजे की सप्लाई के आरोप में अरेस्ट किया था। सजनानी से पूछताछ के बाद राहिला फर्नीचरवाला को भी गिरफ्तार किया गया। एनसीबी के मुताबिक, सजनानी अमेरिका से नशीले पदार्थ मंगवाता था। इस गांजे में वो लोकल गांजा मिलाता था और हर्बल प्रोडक्ट बताकर बेचता था। एनसीबी ने कहा कि राहिला ही सजनानी का फाइनेंशियल मामला संभालती थी। सारे पेमेंट राहिला के डेबिड/क्रेडिट कार्ड और खाते से किए जाते थे।

मादक पदार्थ मामले में मुंबई के 'मुच्छड़ पान वाला' दुकान के सह-मालिक को मिली जमानत

मुंबई। मुंबई की एक अदालत ने मादक पदार्थ से संबंधित मामले में गिरफ्तार रामकुमार तिवारी को जमानत प्रदान की। तिवारी मुंबई की मशहूर दुकान "मुच्छड़ पान वाला" के सह-मालिक हैं। मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट की अदालत ने तिवारी को 15,000 रुपये के मुचलके पर जमानत प्रदान की। स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) ने मादक पदार्थों से जुड़े एक मामले में मंगलवार को रामकुमार तिवारी को गिरफ्तार किया था। दक्षिण मुंबई के केंप्स कॉर्नर में स्थित पान की यह दुकान बहुत प्रसिद्ध है, क्योंकि यहां कुछ मशहूर हस्तियां अक्सर आती रहती हैं। एनसीबी ने कहा था कि मादक द्रव्यों से जुड़े एक मामले की जांच के दौरान तिवारी का नाम सामने आया था। इस मामले में 11 जनवरी को एनसीबी ने उनसे कई घंटे तक पूछताछ की थी। उन्हें 12 जनवरी को गिरफ्तार किया गया था। गत शनिवार को उपनगरीय खार और बांद्रा इलाके से 200 किलोग्राम मादक पदार्थों के साथ एक ब्रिटिश नागरिक समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया था। जब्त किए गए नशीले पदार्थों में गांजा, 'ओजी कुश' (एक प्रकार का भांग) और मारिजुआना जैसे मादक पदार्थ शामिल थे।

लोहरी कार्यक्रम का किया गया आयोजन

मुंबई। मुंबई में मंगलवार दिनांक 12 जनवरी को गंगा जमुना सोसाइटी खार पच्चीम स्थित मे बीजेपी पंजाबी सेल उत्तर मध्य मुंबई की ओर से लोहरी की रात का आयोजन बी जे पी सांसद पूनम ताई महाजन, और बी जे पी पंजाबी सेल जिला के अध्यक्ष लीडर सिंह के नेतृत्व मे कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर शमशेर सिंह हंसपाल उपाध्यक्ष राष्ट्रीय सीख संगत आल इण्डिया अंड विष्व हिन्दू परिसद अध्यक्ष मुंबई, सुरिन्द्र सिंह सूरी अध्यक्ष बी जे पी पंजाबी सेल महाराष्ट्र, चरन्जीत सिंह सेठी जनरल सेकेट्री पंजाबी सेल महाराष्ट्र, सुषम सावंत बी जे पी जिला अध्यक्ष उत्तर मध्य मुंबई, नगर सेविका स्वपना महात्रे, वीरेन्द्र महात्रे जनरल सेकेट्री उत्तर मध्य मुंबई, मिलिन्द शिन्दे विले पार्ले विधनसभा अध्यक्ष, अनिल उपाध्याय अध्यक्ष उत्तर भारतीय मोर्चा उत्तर मध्य मुंबई, किशोर ऐलनी, दीपेन्दर सिंह सचदेव, दिल्मीत सिंह चनडोक, सनी साहनी, सुखविंदर सिंह ओबेराय, सुखबिर सिंह सेठी, संदीप मुर्जानी, मनीषा पाठक मौजुद रहे। अपको बता दे की रात को लोहड़ी का त्योहार फसल की कटाई और बुआई के तौर पर मनाया जाता है। इस दिन लोग आग जलाकर इसके इर्द-गिर्द नाचते-गाते और खुशियां मनाते हैं। आग में गुड़, तिल, रेवड़ी, डालने और इसके बाद इसे एक-दूसरे में बांटने की परंपरा है। इस दिन पॉपकॉर्न और तिल के लड्डू भी बटि जाते हैं। ये त्योहार मुंबई समेत देश अलग अलग राज्यो मे बडे ही धूम धाम से मनाया जाता है।

नई राष्ट्रीय पर्यटन नीति लाने की तैयारी में सरकार

100 पर्यटक स्थल बनाए जाएंगे स्मार्ट

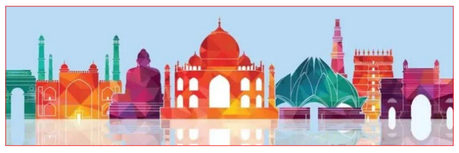

नई दिल्ली। आजादी की 75वीं वर्षगांठ पर देश में पर्यटन क्षेत्र को गति देने के लिए वैश्विक सुविधाओं के साथ 20 अति विशिष्ट पर्यटक स्थलों (आइकॉनिक साइट) का मॉडल के तौर पर विकास किया जाएगा। इसके अलावा देशी-विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए 100 स्मार्ट पर्यटक स्थल भी विकसित किए जाएंगे। यह प्रस्ताव नई राष्ट्रीय पर्यटन नीति के मसौदे में किया गया है। पर्यटन मंत्रालय के एक अधिकारी के अनुसार इस मसौदा नीति में राज्यों के सुझावों को भी शामिल किया गया है। देश में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिये नई राष्ट्रीय पर्यटन नीति के मसौदे को जल्द ही केंद्रीय मंत्रिमंडल की मंजूरी के लिए पेश किया जाएगा। अति विशिष्ट पर्यटक स्थल (आइकॉनिक साइट) की योजना में स्मारकों व स्थलों का विकास विश्व स्तरीय पर्यटन केंद्र के रूप में करने की बात कही गई है ताकि उन्हें मॉडल के रूप में पेश किया जा सके। इनके आसपास पर्यटन की दृष्टि से समग्र विकास किया जाना है। इसमें सड़क, आधारभूत संरचना, होटल, लॉज, संपर्क आदि से संबंधित काम शामिल हैं।

मकर संक्रांति पर पतंगबाजी करने जा रहे हैं तो ध्यान रखें ये 20 सावधानियां

मकर संक्रांति खुशियों का पर्व है। इस वर्ष यह पर्व 14 जनवरी 2021 को मनाया जा रहा है। पिछले साल से कोरोना का खतरा सभी पर मंडरा रहा है और अब बर्ड फ्लू भी घात लगाएं बैठा है ऐसे समय में हमें अपने साथ-साथ आकाश में उड़ान भर रहे पक्षियों का भी विशेष ध्यान रखना होगा। यहां यह बात ध्यान रखने योग्य है कि इस दिन पतंगबाजी के उत्साह में कई लोग अपनी जान गंवा देते हैं। सैकड़ों लोग घायल हो जाते हैं।

आइए जानें क्या सावधानियां जरूरी है इस खेल से पहले...

1. छत पर पतंग उड़ाते समय मुंडेर का विशेष ध्यान रखें।
2. पतंग उड़ाने के लिए चाइना की डोर का प्रयोग कतई न करें।
3. स्वदेशी सूत के मांझे का प्रयोग करें, यह चाइना डोर की तरह खतरनाक नहीं होता।
4. बच्चों को मांझे से दूर रखें, और पतंग उड़ाते समय उनका विशेष ध्यान रखें।
5. पतंग का मंझा किसी से टकराने न पाए, इसका खास ध्यान रखें। तीखे मांझे से हाथ-पैर व गर्दन भी कट सकती है।
6. मांझा पकड़ने वाले और पतंग उड़ाने वाले में तालमेल बनाए रखें।

7. सुरक्षित स्थान पर खड़े होकर ही पतंग उड़ाएं। हो सके तो खुले मैदान में जाकर पतंग उड़ाने का आनंद लें।
8. पतंग के धागे से टकराकर कोई पक्षी घायल न हो, इसका ध्यान रखें।
9. पतंग कहीं अटकने पर जोर से न खींचे, किसी को नुकसान पहुंच सकता है।
10. धूप तेज होने पर पतंग न उड़ाएं, आपको चक्कर जैसी परेशानी हो सकती है।
11. आकाश में पतंग पर ध्यान होने से बच्चे छत से गिर भी सकते हैं। प्रतिवर्ष सैकड़ों बच्चे संक्रांति पर छत से गिर कर जान गंवा देते हैं।
12. आकाश में उड़ने वाले पक्षियों के मरने की संख्या संक्रांति पर बढ़ जाती है। उनके पंख मांझे में उलझकर कट जाते हैं।
13. सड़क पर मांझा तैयार न करें। इससे किसी भी बाइक सवार को जान का खतरा हो सकता है।
14. मांझा तैयार करने में बल्ब का चूरा, सरस, और नीला थोथा प्रयोग में न लाएं यह पक्षियों के साथ इंसान की जान के लिए भी घातक है।
15. फटी पतंग की डंडियों से आंखों को बचाएं। फटी पतंग तुरंत डस्टबीन में डालें।
16. पतंग उड़ाते समय गॉगल अवश्य पहनें। सूर्य की सीधी किरणें आंख और त्वचा के लिए अत्यंत हानिकारक हैं।
17. पतंग उड़ाने से पहले हाथों में दस्ताने पहनें।
18. अगर अंगुली कट जाए तो फौरन उस पर हल्दी का लेप लगाएं। घाव गहरा हो तो डॉक्टर को दिखाएं।
19. त्वचा पर अच्छी क्वॉलिटी का सनस्क्रीन जरूर लगाएं।
20. पतंग पकड़ने के लिए सड़क पर ना निकलें। इस हरकत से दुर्घटना की प्रबल संभावना होती है।

सुषमा ग्रुप ने अपना पहला हॉलीडे होम प्रोजेक्ट-सुषमा एलिमेंटा किया लॉन्च

मुंबई। पंजाब के प्रमुख रियल एस्टेट डेवलपर सुषमा ग्रुप ने 13 प्रोजेक्टों के शानदार डिलीवर के रिकॉर्ड को बनाते हुए, अब हिमाचल प्रदेश में अपने उत्कृष्ट रेजिडेंशियल प्रोजेक्ट सुषमा एलिमेंटा को लांच किया है। यह हॉलिडे होम्स प्रोजेक्ट सोलन जिले के हिल स्टेशन कसौली में बनाया जा रहा है जो पहाड़ों छुट्टी बिताने की एक बेहतरीन डेस्टिनेशन है।

6 एकड़ में फैला हुआ यह प्रोजेक्ट 50 करोड़ रुपये के निवेश के साथ विकसित किया जा रहा है। सुषमा एलिमेंटा का बिल्ट-अप एरिया 3,38,079 वर्ग फुट क्षेत्र होगा जिसमें 8 टॉवर बनाए जायेंगे और इसमें कुल 382 यूनिट्स होंगी। इन यूनिट्स का साइज 630 वर्ग फुट से लेकर 1335 वर्ग फुट तक होगा, जिसमें 1, 2 और 3 बीएचके अपार्टमेंट बनाए जाएंगे। इस प्रोजेक्ट की खासियत है कि समुद्र तल से 6,000 फीट की ऊंचाई पर स्थित है, और इस प्रोजेक्ट के सामने घाटी हैं और प्रत्येक कमरे से घाटी के सबसे शानदार दृश्य दिखाए देंगे। इसके अलावा प्रोजेक्ट में सभी आधुनिक सुविधाओं को शामिल किया है, जैसे जिम, एक्सपीरियंस सेंटर, लाइब्रेरी, किड्स रूम, मीडिया रूम, स्पा व सोना, गेम्स रूम, नेचर डेक, ग्रैंड एंटरन्स पवेलियन और सनसेट प्लाजा सहित मनोरंजन गतिविधियों से सुसज्जित है। प्रोजेक्ट की चंडीगढ़ एयरपोर्ट और हाईवे के माध्यम से अच्छी कनेक्टिविटी प्रदान करता है। प्रोजेक्ट के बारे में बात करते हुए, सुषमा ग्रुप के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर, श्री प्रतीक मित्तल ने कहा, हम हिमाचल प्रदेश में अपने पहले प्रोजेक्ट के लॉन्च पर बहुत खुश हैं।

एलिमेंटा, हमारे हॉलिडे होम्स के सेगमेंट में अपनी तरह का एक प्रोजेक्ट है और हॉलिडे होम्स के कांसेप्ट पर यह हमारा पहला प्रोजेक्ट है। हर दिन बढ़ते तनाव के साथ, इस प्रोजेक्ट से लोगों को राहत मिलेगी, क्योंकि यह पहाड़ों के बीच स्थित है, शहरों की हलचल से दूर है, प्रोजेक्ट प्रदूषण और तनाव मुक्त वातावरण प्रदान करेगा है।

श्रीनगर हवाई अड्डे पर विमान बर्फ से टकराया, बड़ा हादसा टला, सभी 233 यात्री सुरक्षित

श्रीनगर। श्रीनगर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर दिल्ली जा रहा एक हवाई जहाज रनवे के अंतिम सिरे पर जमा बर्फ से टकरा गया। चालक की सूझबूझ से सभी यात्री सुरक्षित हैं। जिस समय हादसा हुआ विमान में 233 यात्री सवार थे। हादसे के बाद सभी यात्रियों को विमान से उतारकर तकनीकी जांच की गई। जांच प्रक्रिया पूरी करने के बाद विमान को रवाना कर दिया गया। हादसे की जांच के आदेश दे दिए गए हैं। बताया जाता है कि बुधवार दोपहर लगभग 12.30 बजे श्रीनगर से दिल्ली जाने वाला इंडिगो एयर लाइंस का विमान (6-ई 2550) 233 यात्रियों के साथ

उड़ान भरने के लिए तैयार था। टेक ऑफ करने से पहले विमान का दाहिना इंजन रनवे के अंतिम छोर पर एकत्र बर्फ से टकरा गया। तेज आवाज होते ही विमान पर सवार यात्री सकते में आ गए। परंतु विमान चालक ने सूझबूझ का परिचय देते हुए विमान को रोक लिया। इस दौरान हवाई अड्डे पर तैनात अग्निशमन और इमरजेंसी टीम के सदस्य फायर टेंडर के साथ मौके पर पहुंच गए। घटना के बाद विमान सवार सभी यात्रियों को तत्काल विमान से उतारा गया। किसी यात्री को कोई नुकसान नहीं पहुंचा। इसके बाद तकनीकी टीम ने विमान का निरीक्षण कर नुकसान का आकलन किया। विमान को उड़ान के लिए सुरक्षित पाए जाने के बाद थोड़ी देर से विमान को सभी यात्रियों के साथ रवाना कर दिया गया। एयरपोर्ट के अधिकारियों ने बताया कि रनवे पर उड़ान भरते हुए विमान का दाहिना इंजन बर्फ से टकराया है। दुर्घटना के जांच के आदेश दे दिए गए हैं।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

बुलढाणा हलचल

तालखेड़ के खेत में नकली शराब के कारखाने पर पुलिस ने छापा मार कर शराब किया नष्ट

संवाददाता/अशफाक युसुफ

बुलडाणा। कल देर रात के बाद, स्थानीय अपराध शाखा की एक टीम ने तालखेड क्षेत्र के एक खेत में नकली शराब की कारखाने को ध्वस्त कर दिया। पुलिस ने टैगो पंच और रसायनों की 2,200 नकली बोतलें और एक दोपहिया वाहन जब्त किया है।पुलिस को एक गुप्त सूचना मिली थी कि तालखेड़ में सुभाष सिंह दीवानसिंह इंगल के खेत में नकली शराब बनाई जा रही है और बेची जा रही है।पुलिस ने इस मामले में पूरी जानकारी ली। पुलिस ने इस मौक को देखते हुए खेत के पास जाल बिछा दिया। पुलिस ने देर रात

करीब 3 बजे शेड पर छापा मारा। इस के लिए आवश्यक रसायन, 4 डिब्बे, ढक्कन, लेबल, बक्से और अन्य सामग्री एकत्र की गई थी। पुलिस ने बजाज पल्सर को सामग्री के साथ जब्त कर लिया। आरोपियों के खिलाफ महाराष्ट्र निषेध अधिनियम की धारा 65 ई, एफ, 83 के तहत बोरखेड़ी पुलिस स्टेशन में कार्रवाई की गई है।यह कार्रवाई पीआई बलिराम गीते, पीएसआई श्रीकांत जिंदमवार, हेका श्रीकृष्ण चंदुरकर, पोना गजानन अहेर, पोना द्वारा की गई। लक्ष्मण कटक, पोना। राजेंद्र क्षीरसागर, पोकरण गजानन गोरले, पोकरण वैभव मगर, ड्राइवर एएसआई मिसल, पोना। विजय मुंडे द्वारा सफलतापूर्वक पूरा किया गया।

गजानन धांडें का चयन सकारात्मक लेखन के लिए सम्मान, संदीपदादा शेळके का प्रतिपादन

संवाददाता/अशफाक युसुफ

बुलडाणा। गजानन धांडे जिले में एक पत्रकार, समाचार रिपोर्टर और प्रस्तुतकर्ता के रूप में जाने जाते हैं। पत्रकारिता के माध्यम से, उन्होंने लगातार विभिन्न विषयों पर लिखा। राजर्षि शाहू परिवार के अध्यक्ष संदीप दादा शेळके ने कहा कि मराठी प्रेस परिषद के राज्य प्रतिनिधि के रूप में उनका चुनाव सकारात्मक लेखन के लिए एक सम्मान है। मराठी प्रेस परिषद के राज्य प्रतिनिधि के रूप में चुने जाने के लिए श्री. धांडे को शाहू परिवार ने शनिवार 2021 को सम्मानित किया था। वह इस समय आयोजित एक कार्यक्रम में बोल रहे थे। श्री. शेळके ने कहा कि गजानन ढांडे ने हिंदुस्तान, पुण्यनगरी और महाराष्ट्र टाइम्स के कई मुद्दों को कवर किया। उन्होंने सिंधखेड़ा विकास योजना, खामगाँव-जालना रेलवे, शेगाँव विकास योजना, कृषि, सिंचाई, शिक्षा, खेल, ग्रामीण क्षेत्रों से संबंधित मुद्दों पर विस्तार से लिखा। उनके लेखन को ध्यान में रखते हुए, सरकार ने उन्हें विवाद समाधान के लिए विभागीय पुरस्कार से सम्मानित किया। उन्हें एक उत्कृष्ट खिलाड़ी के रूप में भी जाना जाता है। इसलिए हम उनकी पसंद से बहुत खुश हैं। अभिवादन का उत्तर देते हुए श्री. ढांडे ने कहा कि उन्हें अब तक कई स्थानों पर सम्मानित किया गया है। लेकिन शाहू परिवार को दिया जाने वाला सम्मान पारिवारिक सम्मान है। इस परिवार के साथ हमारा भावनात्मक रिश्ता है। लोगों की देखभाल करने वाले लोग शाहू परिवार हैं। यह प्यार हमेशा के लिए रह सकता है। संचालन सोहम घाडगे ईन्होने ने किया।

रामपुर हलचल

चोरों ने ले उड़े पानी का इंजन

संवाददाता/नदीम अख्तर

टाण्डा (रामपुर)। कोतवाल अन्तर्गत ग्राम शाहपुरा निवासी मुजम्मिल पुत्र शब्बीर के खेत में एक पानी का इंजन मध्य रात्री अज्ञात चोर इंजन को रात्री किसी समय चोर कर ले गये इधर उधर काफी तलाश किया जो कहीं नहीं मिल सका चोरी से सम्बंधित घटना की सूचना पुलिस को दे दी गई है। इससे पूर्व नगर के अन्दर केई जगह चोरों द्वारा चोरी के कार्य को अन्जाम दिया जा सका है पुलिस अभी तक चोरों का पता तक नहीं लगा सकी है पुलिस निष्क्रियता के चलते पुलिस के प्रति शेष व्याप्त है। चोर पुलिस की पकड़ से बाहर हैं जिनका अभी तक कोई खुलासा नहीं हो सका है। चोरों को पकड़ में लाये जाने एवं चोरी की घटना का खुलासा किये जाने को लेकर कोई ठोस कदम तक नहीं उठाये गये हैं और न ही कोई रिपोर्ट दर्ज की जा सकी है मात्र आशवासनों के अलावा आवश्यक कार्यवाही किये जाने से कतराती नजर आ रही है।

आठ राज्यों को मिल गई इजाजत, अब करोड़ों रुपये ले सकेंगे उधार

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने बुधवार को कहा कि उसने केरल को 'कारोबारी सुगमता' सुधारों को सफलतापूर्वक लागू करने पर अतिरिक्त 2,373 करोड़ रुपये उधार लेने की इजाजत दी है। केरल के अलावा सात अन्य राज्यों- आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, ओडिशा, राजस्थान, तमिलनाडु और तेलंगाना को भी कारोबारी सुगमता संबंधी सुधारों को लागू करने के लिए अतिरिक्त उधार लेने की इजाजत दी गई है। इन आठ राज्यों को कुल 23,149 करोड़ रुपये अतिरिक्त उधार देने की इजाजत दी गई है। वित्त मंत्रालय ने एक बयान में कहा, इसके तहत राज्य (केरल) खुले बाजार से 2,373 करोड़ रुपये के अतिरिक्त वित्तीय संसाधन जुटाने के लिए पात्र हो गया है। 1

मधुबनी हलचल

111 शराब अड्डों के साथ अपराध में भी पंचायत को टॉप कराना चाहता है सांसद अशोक यादव का परिवार : नजरे आलम

पीड़ित परिवार से मिल न्याय मिलने तक लड़ाई लड़ने का संकल्प लिया बेदारी कारवाँ ने

संवाददाता

दरभंगा। पीड़ित परिवार से मिलने पहुंचे ऑल इंडिया मुस्लिम बेदारी कारवां के अध्यक्ष नजरे आलम ने कहा कि दरभंगा वासियों के लिए वर्ष 2020 से भी ज्यादा बदतर रंग दिखाने लगा है वर्ष 2021। कुछ दिन पूर्व ही दरभंगा ग्रामीण के बिजुली गांव के निवासी मो० सफी की अपराधियों द्वारा निर्मम हत्या कर दी गयी थी। प्रशासन द्वारा शुरूआती ढूल-मूल रवैय्या अपनाने के बाद छानबीन तेज की गई। इस मामले में अबतक तीन गिरफ्तारी हो चुकी है। श्री आलम ने बताया कि मुख्य आरोपी स्थानीय माले नेता सूर्यनारायण शर्मा का अपना भतीजा है और इस पंचायत की मुखिया मधुबनी के पूर्व सांसद हुकुमदेव यादव की बहू और वर्तमान सांसद श्री अशोक यादव के भाई अवधेश यादव की पत्नी हैं। पीड़ित परिवार का कहना है कि मुखियाइन ने पीड़ित परिवार का हाल जानने तक कि जरूरत नहीं समझी। गांव वालों से मिली सूचना के मुताबिक माले नेता अपने हत्याकांड का मुख्य आरोपी भतीजा को छुड़ाने के लिए पुलिस प्रशासन पर दबाव बनाने की कोशिश कर रह है। इस पर हमारी पूरी नजर है। हम किसी भी कीमत पर अपराधी को खुलेआम घूमने नही देंगे। श्री आलम ने कहा कि

बिजुली गांव में लॉ एंड ऑर्डर की स्तिथि बहुत दयनीय अवस्था में है यहां आने पर पता चला कि यहां 111 से ज्यादा शराब के अड्डे सांसद जी के नाक के नीचे खुलेआम चल रहे हैं और जब भी पुलिस रेड करने आती है तो यहाँ तैनात पुलिस के चौकीदार ही शराब माफियाओं को खबर करके चौकन्ना कर देते हैं। शराब माफियाओं के हौंसले इतने बुलंद हैं कि इन्हें पुलिस का कोई खौफ नहीं रह गया है उल्टा ये लोग स्थानीय लोगों को भड़काकर पुलिस के सामने कर देते हैं ताकि पुलिस अपनी करवाई नहीं कर सके। हद तो यह है कि इस हत्या में शराब विक्रेता भी है जिसने यह कबूल किया है कि सफी की हत्या से पहले हत्यारा उसके यहाँ से शराब खरीदा था। अपराध के आगे जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाने वाले श्री नीतीश कुमार की पुलिस के इस रवैय्ये से लगता है कि दरभंगा पुलिस ने सरकार को बदनाम करने की सुपारी ले रखी है। पीड़ित की परिजनों की एक ही मांग है कि अपराधी को फांसी दी जाए। स्थानीय सरपंच इस मामले में लगातार प्रयासरत दिख रहे हैं और पीड़ित परिवार को न्याय की उम्मीद है। श्री आलम ने कहा कि गांव में अगर इसी तरह से शराब और नशा का धंधा चलता रहा तो अपराध में भी ये पंचायत टॉप पर पहुंच जाएगा। उन्होंने जिला प्रशासन से ये मांग की है कि वो इस मामले तुरंत संज्ञान में लेकर गांव को शराब मुक्त और पीड़ित परिवार को भय मुक्त वातावरण में न्याय दिलाने में मदद करे। वहीं उन्होंने ये भी कहा कि दुख की घड़ी में हमारा संगठन पीड़ित परिवार के साथ है और हर संभव मदद देने के लिए सदा तत्पर रहेंगे। दौर में शामिल मो० नूरैन, हीरा नेजामी, सोनू मंडल, मिथिलेश यादव, कुद्दूस सागर आदि शामिल थे।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

वजन घटाने के लिए रोजना 10 मिनट करें ये 6 योगासन

आजकल 5 में से 3 लोग मोटापे की समस्या से परेशान हैं। शरीर का वजन बढ़ने से कई सारी बीमारियां लग जाती है। हैल्दी रहने और खुद को फिट दिखाने के लिए लोग कई तरह के तरीके अपनाते हैं। मगर उसे भी ज्यादा फायदा नहीं होता। कुछ लोग तो वजन कम करने के लिए दवाइयों का सहारा भी लेते है जो सेहत के लिए नुकसानदायक होता है। ऐसे में रोज केवल 10 मिनट इन 6 योग आसनों को करके मोटापे की समस्या से निजात पा सकते हैं। तो आइए वह कौन से आसन है जो वजन को कम करता है।

1. भुजंगासन
पेट की चर्बी को कम करने के लिए भुजंगासन बहुत फायदेमंद है। इस आसन को करने से वजन बहुत जल्दी वजन घटने लगता है। भुजंगासन को करने के लिए पेट के बल लेट जाएं। अब अपने दोनों हाथों को माथे के नीचे टिकाए। दोनों पैरों के पंजों के साथ रखें। फिर अपने माथे को ऊपर ऊठाएं और दोनों बाजुओं को कंधों के समान लाएं। ऐसा करने पर शरीर का सारा भार बाजुओं पर पड़ेगा। अब शरीर के अगले भाग को बाजुओं के सहारे ऊपर उठाएं। शरीर को स्ट्रेच करके लंबी सांस लें। कुछ समय तक इस आसन को करें। फिर दोबारा पेट के बल लेट जाएं।

2. हस्तपादासन
हस्तपादासन करने के लिए पैरों को साथ में जोड़े हुए सीधे खड़े हो जाएं। हाथों को शरीर के साथ लगाएं। शरीर के वजन को दोनों पैरों पर सामान रूप से डालें। फिर सांस को बाहर छोड़ते हुए कमर के ऊपरी भाग को धीरे-धीरे सामने की ओर झुकाएं। घुटनों को बिल्कुल सीधा रखें। सांस छोड़ते समय छाती को घुटनों की तरफ ले जाएं। शुरूआत में इस स्थिति में 10 सेकंड तक रहें और फिर सामान्य स्थिति में आकर 5 सेकेण्ड आराम करें और इस आसन को कम से कम 5-6 बार करें।

3. बालासन
मन को शांत करना हो या पेट की चर्बी को कम करना हो दोनों के लिए बालासन बहुत फायदेमंद है। इस आसन को करने के लिए घुटनों के बल बैठ जाएं और कमर बिल्कुल सीधी रखें। अब गहरी सांस लेते हुए शरीर के ऊपरी हिस्से को सामने की ओर झुकाएं। दोनों हाथ पीछे की ओर रखें और कोशिश करें कि सिर सामने जमीन को छुए। अब जितना हो सके उतनी देर इसी अवस्था में रहने की कोशिश करें। फिर सांस छोड़ते हुए शरीर के ऊपरी भाग को उठाते हुए फिर से वज्रासन की मुद्रा में आ जाएं।

4. पश्चिमोत्तानासन
पश्चिमोत्तानासन करने से भी शरीर का वजन बहुत जल्दी कम होता है। इस आसन को करने के लिए सबसे पहले आप जमीन पर बैठ जाएं। अब आप दोनों पैरों को सामने फैलाएं। पीठ की पेशियों को ढीला छोड़ दें। सांस लेते हुए अपने हाथों को ऊपर लेकर जाएं। फिर सांस छोड़ते हुए आगे की ओर झुके। आप कोशिश करते हैं अपने हाथ से उंगलियों को पकड़ने का और नाक को घुटने से लगाने का। धीरे धीरे सांस लें, फिर धीरे धीरे सांस छोड़े। इस तरह से आप 3 से 5 चक्र करें।

5. उष्ट्रासन या ऊंट पोज
इस आसन को करने से भी बहुत जल्दी पेट की चर्बी कम होती है। इस आसन मे अपने शरीर को ऊंट की तरह आकार देना होता है। इसको करने के लिए घुटनों के बल खड़े हो जाएं। घुटनों के कमर तक का भाग सीधा रखें और पीठ को पीछे की ओर मोड़कर हाथों को से पैरों की एड़ियों को पकड़ लें। फिर सिर को पीछे की ओर झुका दें। कुछ सेकंड ऐसा रहें। फिर सामान स्थिति में आ जाएं।

6. पद्मासन
पद्मासन करने में जीतना ही आसान होता है। इसके फायदे उतने ही होते है। इस आसन को करने के लिए जमीन पर बैठकर पैरों को इस तरह आपस में जोड़े की ये नाभि के पास आ जाएं। अब कमर को सीधी करें। मगर ध्यान रहे की दोनों घुटने जमीन से उठने न पाएं। दोनों हाथों की हथेलियों को गोद में रखें।

बढ़ता हुआ मोटापा करना है तेजी से कम तो रोजाना 1 कप पीएं यह चाय

बढ़ा हुआ वजन न सिर्फ पर्सनैलिटी को खराब करता है, बल्कि इससे डायबिटीज, कैंसर और हार्ट डिसीज का खतरा भी बढ़ जाता है। बढ़े हुए वजन को कम करने के साथ-साथ उसे कंट्रोल में रखना भी बहुत जरूरी हैं। ऐसे में आज हम आपको ऊलौंग चाय (Oolong Tea) के बारे में बताएंगे, जिससे आपका वजन तेजी से कम होगा। इतना ही नहीं, पॉलिफिनॉल और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर रोजाना 1 कप इस चाय का सेवन आपको कई गंभीर बीमारियों से भी दूर रखेगा।

1. वजन घटाने में मददगार
एक शोध के अनुसार, लगातार 6 हफ्ते तक एक कप ऊलौंग चाय पीने से आपका 8 किलो वजन कम हो जाता है। इस चाय का सेवन कोलेस्ट्रोल को कम करने के साथ-साथ फैट को बर्न करती है।

2. मेटाबॉलिज्म को देता है बढ़ावा
डाइट कंट्रोल और रेग्युलर एक्सरसाइज के बावजूद भी कुछ लोगों का वजन कम नहीं होता है या बहुत धीरे-धीरे कम होता है। दरअसल, यह सब मेटाबॉलिज्म के कारण होता है। मगर इस चाय में पॉलीफिनॉल कंपाउंड होता है, जो मेटाबॉलिज्म को बढ़ाकर चर्बी को कम करके वजन घटाने में मदद करता है।

3. डायटरी फैट को करती है रिड्यूस
यह चाय सिर्फ फैट ही बर्न नहीं करती बल्कि इसका सेवन वसा को अशोषित करने में भी मदद करता है, जिससे आपका वजन तेजी से कम होता है। एक शोध में भी पाया गया है कि इस चाय का सेवन आपकी हाई फैट डाइट में से वसा को अशोषित करके वजन को घटाती है।

ये 2 असरदार घरेलू नुस्खे, एक दिन में दूर करेंगे पैरों की ट्रैनिंग!

गर्मियों के मौसम में स्किन का काला पड़ना यानी की टैनिंग होना एक आम बात है। टैनिंग सिर्फ चेहरे, गर्दन या फिर आर्म्स पर ही नहीं होती। तेज धूप का असर पैरों पर भी पड़ता है। इससे पैरों कि स्किन डैड होने लगती है, जिससे यह काले दिखाई देने लगते हैं। इसकी वजह से हम अपनी पसंद के हिसाब से सैंडल या फिर फुटवियर भी नहीं पहन पाते। पेडिक्योर करने से पैरों की रंगत दुबारा वापिस पाई जा सकती है, मगर इतना समय और पैसा किसी के पास कहा कि बार-बार पार्लर जाकर टैनिंग रिमूव करवाई जाए। ऐसे में आप कुछ घरेलू नुस्खों को अपनाकर भी पैरों को खुबसूरत बना सकते हैं।

1. संतरे का छिलका और दूध
संतरे में नेचुलर ब्लीचिंग गुण होते हैं जो पैरों के दाग-धब्बे मिटाने का काम करते हैं। वहीं दूध में लेक्टिक एसिड होता है जिससे डैड स्किन निकल जाती है। ऐसे में इन दोनों का पेस्ट बनाकर लगाने से पैरों की रूखी त्वचा भी मुलायम बन जाएगी।

इस तरह बनाएं पैक
सबसे पहले संतरे के छिलकों को धूप में अच्छे से सूखा लें। फिर इसको मिक्सी में पीस कर पाउडर बना लें। अब इसमें 4 से 5 चम्मच दूध के मिलाकर एक गाढ़ा पेस्ट बना लें। अब पेस्ट को पैरों पर लगा कर हल्के हाथों से मसाज करें और 20 से 25 मिनट के बाद गर्म पानी से धो लें।

2. नींबू और शहद
नींबू में नेचुरल ब्लीचिंग गुण पाए जाते हैं। वहीं शहद पैरों को नर्म बनाने का काम करता है। दोनों को साथ में लगाने से पैरों की टैनिंग दूर होने के साथ ही वह नर्म भी बने रहेंगे।

इस तरह बनाएं पैक
1 चम्मच नींबू के रस में 1 चम्मच शहद मिलाकर मिक्स करें। आप चाहें तो इसमें थोड़ा सा मिल्क पाउडर भी मिक्स कर सकते हैं। अब इस पेस्ट को 20 मिनट तक पैरों में लगाने के बाद गर्म पानी से धो लें। इसके साथ घर से बाहर निकलते वक्त सनस्क्रीन जरूर लगा लें।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

सैफ अली खान को सीखनी पड़ी संस्कृत

बॉलीवुड एक्टर सैफ अली खान जल्द ही वेब सीरीज तांडव में नजर आने वाले हैं। सीरीज का ट्रेलर रिलीज हो चुका है और अब सभी को सीरीज का इंतजार है। यह सीरीज 15 जनवरी को अमेजन प्राइम पर रिलीज होने जा रही है। अली अब्बास जफर द्वारा निर्मित तांडव में सैफ कई पहलूओं वाले और पहले कभी न देखे गए अवतार में नजर आएंगे। सैफ ने तांडव के किरदार के लिए बहुत मेहनत की है। हाल ही में, सैफ ने इस शो में अपने किरदार से जुड़े कम ज्ञात तथ्यों के बारे में बताया और यह भी कि एक दिलचस्प परफॉर्मेंस देने में उन्होंने किन चुनौतियों का सामना किया। उन्होंने शो के बारे में खास बातचीत की। सैफ अली खान ने कहा, अपने किरदार की तैयारी करते हुए मैं कई चीजों से प्रभावित हुआ। मैं एक राजनेता का किरदार निभा रहा हूं, जो सार्वजनिक जगहों पर बहुत बोलता है और मुझे समर के किरदार के लिए संस्कृतनिष्ठ हिन्दी के कई भाषणों की तैयारी करनी पड़ी। मजे की बात यह थी कि मुझे संस्कृत बोलना सचमुच अच्छा लगा। शूटिंग का कोई दिन बहुत भारी लगता था और कोई हल्का। इस शो में मुझे हर दिन संस्कृत में लगभग चार भाषण देने होते थे। तो इस रोल को परफेक्ट बनाने के लिए मैंने कई भारी भरकम लाइनें सीखीं।

...'मैडम चीफ मिनिस्टर' में अपने लुक के लिए ऋचा चड्ढा ने बाल कटवाने से कर दिया था इनकार

बॉलीवुड एक्ट्रेस ऋचा चड्ढा की फिल्म 'मैडम चीफ मिनिस्टर' जल्द ही रिलीज होने वाली है। इस फिल्म का ट्रेलर हाल ही में रिलीज हुआ है। इसके बाद से ही ऋचा का लुक काफी चर्चा में है। वहीं मैडम चीफ मिनिस्टर फिल्म को लेकर एक्ट्रेस ऋचा चड्ढा ने एक खुलासा किया है। ऋचा चड्ढा का कहना है कि इस फिल्म में उनके बाल कटे हुए दिख रहे हैं, लेकिन असल में उन्होंने इसके लिए हेयर कट नहीं कराया था। सोशल मीडिया पर फिल्म में अपने कैरेक्टर के लिए विग इस्तेमाल करने की कहानी शेयर करते हुए ऋचा चड्ढा ने यह बात कही है। इसके साथ ही उन्होंने अलग-अलग विग पहने हुए अपनी कुछ तस्वीरें भी शेयर की हैं। एक्ट्रेस ने ट्विटर पर लिखा, 'मैंने फिल्म में विग क्यों पहनी इसे लेकर एक मजेदार किस्सा है। डायरेक्टर चाहते थे कि मैं इस फिल्म के लिए हेयर कट करवा लूं, जो मेरे कैरेक्टर को सूट करता हो। लेकिन यह उस समय की बात है, जब हमारी शादी की तारीख फिक्स हो गई थी।' एक अन्य ट्वीट में ऋचा चड्ढा ने कहा, 'मुझे लगा कि अप्रैल 2020 तक मेरा मशरूम कट होगा यदि मैंने रोल के लिए हेयर कट करवाया। मैं बचपन से ही मशरूम कट से नफरत करती थी। इसके बाद डायरेक्टर मे मुझे विग पहनने की सलाह दी। इनमें से ही कुछ विग मैंने ट्राई की थीं।' ऋचा चड्ढा और अली फजल लंबे समय से रिलेशनशिप में हैं और बीते साल की शुरूआत में उनकी शादी की चर्चाएं थीं। खबरों के अनुसार अप्रैल 2020 में ऋचा-अली की शादी होनी थी। कोरोनावायरस के कारण मार्च 2020 से देशभर में लॉकडाउन लग गया था। ऐसे में न तो उनकी शादी हुई और न ही फिल्म मैडम चीफ मिनिस्टर की रिलीज।

रणबीर कपूर के माता-पिता का किरदार निभाएंगे डिंपल कपाड़िया और बोनी कपूर

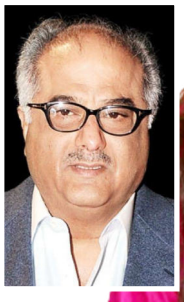

बॉलीवुड एक्टर रणबीर कपूर और निर्देशक लव रंजन की अपकमिंग कॉमेडी फिल्म इन दिनों चर्चा में बनी हुई है। इस फिल्म में श्रद्धा कपूर और रणबीर कपूर न्यू-एज कपल का किरदार निभाते दिखेंगे और दर्शकों को खूब हंसाएंगे। दोनों की बीते दिन फिल्म की शूटिंग के सिलसिले में दिल्ली पहुंचे हैं। खबरों के मुताबिक, बोनी कपूर और डिंपल कपाड़िया दोनों ही लव रंजन की फिल्म में रणबीर कपूर के माता-पिता का किरदार निभाते नजर आएंगे। बोनी कूपर फिल्म में एक रईस पिता बनेंगे। खबर के अनुसार बोनी कपूर ने पहले रणबीर कपूर की फिल्म का ऑफर ठुकरा दिया था लेकिन जब लव रंजन ने उनसे बार-बार कहा तो वो मान गए। लव रंजन को बोनी कपूर से हां कहलवाने के लिए अर्जुन कपूर, अंशुला कपूर और जाह्नवी कपूर की मदद लेनी पड़ी। बताया जा रहा है कि लव रंजन ने बोनी कपूर को ध्यान में रखकर ही पिता का किरदार लिखा था।